मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 द्वितीय वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2016**

कोर्स शीर्षक - नाटक एवं नाटिका **कोर्स कोड - एमएएसएल 204**

प्रोग्राम कोड - एम. ए. एस. एल -12 **अधिकतम अंक - 40**

सत्र - 2015 - 16

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. नाटक किसे कहतें हैं , विस्तार से लिखिए।
2. नाटकों का विकास किस प्रकार हुआ , समझाइए।
3. शूद्रक का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।
4. मृच्छकटिकम् का रचनाकाल क्या है, निर्धारित कीजिए।
5. शकार का चरित्र चित्रण कीजिए।
6. तपसा मनसा वाग्भि: पूजितां बलिकर्मभि:
तुष्यन्ति शमिनां नित्यं देवता:किं विचारितै: । इस श्लोक की व्याख्या कीजिए।
7. चारूदत्त का परिचय लिखिए।
8. रत्नावली नटिका का परिचय लिखिए।

खण्ड 'ख'

1. शूद्रक की नाट्यकला पर निबन्ध लिखिए।
2. मृच्छकटिकम् में वर्णित तत्कालीन सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।
3. वत्सराज उदयन की रत्नावली में क्या भूमिका है , विस्तार से लिखिए ।
4. सिद्ध कीजिए कि रत्नावली एक नटिका है।